फ्लाइंग ट्रेनर हंसा-एनजी

हाल ही में भारत के पहले स्वदेशी 'फ्लाइंग ट्रेनर' हंसा-एनजी ने 19 फरवरी से 5 मार्च, 2022 तक पुदुचेरी में समुद्र स्तर परीक्षणों को सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया है।

- इसे **सीएसआईआर-राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएएल)** द्वारा विकसित किया गया है।
- वर्ष 1959 में स्थापित **वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद** (CSIR) की एक घटक राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला (एनएएल) देश के नागरिक क्षेत्र में एकमात्र सरकारी एयरोस्पेस अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला है।
- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) भारत में सबसे बड़ा अनुसंधान और विकास (R&D) संगठन है।

हंसा-एनजी की विशेषताएँ

- 'हंसा-एनजी' सबसे उन्नत उड़ान प्रशिक्षकों में से एक है।
  - 'हंसा-एनजी, 'हंसा' का उन्नत संस्करण है, जिसने वर्ष 1993 में पहली उड़ान भरी थी, और इसे वर्ष 2000 में प्रमाणित किया गया था।
  - केंद्र ने 2018 में **हंसा-एनजी और ग्लास कॉकपिट** के साथ एनएएल **रेट्रो-संशोधित हंसा -3 विमान (Retro-modified HANSA-3 Aircraft)** को मंजूरी दी तथा इसे नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा प्रमाणित किया गया और एयरो-इंडिया 2019 में विमान का प्रदर्शन किया गया।
- यह **रोटैक्स डिजिटल कंट्रोल इंजन (Rotax Digital Control Engine)** द्वारा संचालित होता है जिसे भारत में **फ्लाइंग क्लबों (Flying Clubs)** द्वारा ट्रेनर एयरक्राफ्ट की आवश्यकता को पूरा करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- यह कम लागत और कम ईंधन खपत के कारण वाणिज्यिक पायलट लाइसेंसिंग (Commercial Pilot Licensing-CPL) हेतु एक आदर्श विमान है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/flying-trainer-hansa-ng